Nalanda Open University.

Course :- Regular B.A Part I (Hons)

Paper :- I

Topic :- Perception and its major Characterstics.

Prepared by :- Prof. (Dr) Kanak Varma, Coordinator U.G. Psychology. U.G.

सामान्य बोलचाल की भाषा में प्रत्यक्षीकरण एक ऐसी मानसिक प्रक्रिया (Mental Process) है जिसमें किसी प्रकार का ज्ञान (Knowledge) प्राप्त करता है, दूसरे शब्दों में प्रत्यक्षीकरण एक ज्ञानात्मक (Cognitive Mental) मानसिक प्रक्रिया है,

प्रत्यक्षीकरण की अनेक परिभाषाओं में से एक परिभाषा यहां दी जा रही है—

"प्रत्यक्षीकरण का उपयोग आमतौर पर ग्राहक एवं स्नायु-सम्बन्धी उस अपेक्षाकृत जटिल प्रक्रिया के लिए किया जाता है जो हमें अपने वातावरण के बारे में ज्ञान प्राप्त कराने में कार्यशील रहता है"

The term 'perception' is customarily used to refer to relelatelely complex receptor and neural processes which underline our awareness of our selves and our world."

...करण की विशेषताएँ:-
Characteristics of Perception:
प्रत्यक्षीकरण में निम्नलिखित विशेषताएँ (Characters-
-tics) हैं -

- प्रत्यक्षीकरण एक जटिल मानसिक प्रक्रिया है।
Perception is a complex mental Process.
- प्रत्यक्षीकरण में उपस्थित उत्तेजनाओं का तात्कालिक ज्ञान होता है। (Perception is immediate knowledge or apprehension of the Present stimuli)
- प्रत्यक्षीकरण एक सक्रिय मानसिक प्रक्रिया है। (Perception is an active mental Process.
- प्रत्यक्षीकरण चयन की एक सक्रिय प्रक्रिया है। (Perception is an active process of choice)
- प्रत्यक्षीकरण में ग्राहक एवं स्नायु ~~...~~ सम्बन्धी जटिल क्रियाएँ अन्तर्निहित रहती हैं। (Percep-tion involves complex receptor and neural process.)
- प्रत्यक्षीकरण उत्तेजना का संगठन है। (Percep-tion is organisation of stimulus.)
- प्रत्यक्षीकरण में स्थिरता के लक्षण पाए जाते हैं। (Perception is constant)

8. प्रत्यक्षीकरण में लचक का गुण पाया जाता है (Perceptions are flexible)

उपर्युक्त सभी विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है —

1. प्रत्यक्षीकरण एक जटिल मानसिक प्रक्रिया है क्योंकि इसमें कई उपक्रियाएँ होती हैं जैसे — ग्राहक क्रियाएँ (Reception Process) प्रतीकात्मक क्रियाएँ (Symbolic Process), भावनात्मक प्रक्रिया (Affective Process), संगठनात्मक क्रिया (organizational or unification Process) इस प्रकार हम कह सकते हैं कि प्रत्यक्षीकरण एक जटिल मानसिक प्रक्रिया है।

2. प्रत्यक्षीकरण में उत्तेजनाओं से हमें तात्कालिक ज्ञान प्राप्त होता है, इस प्रक्रिया में उत्तेजना की उपस्थिति बहुत अनिवार्य है।

3. प्रत्यक्षीकरण एक सक्रिय मानसिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में संवेदना के अपेक्षा अर्थपूर्ण (Meaningful) अर्थहीन (Meaningless) तथा इसमें कई प्रकार की क्रियाएँ भी सन्निहित हैं।

4. प्रत्यक्षीकरण अधिगम की एक सक्रिय प्रक्रिया है क्योंकि वातावरण की अनेक उत्तेजनाओं

में से किसी एक उत्तेजना का चयन करता है जिसे ऐसा भी कह सकते हैं यह "अवधान परीधि" (Span of attention) में आती है, इसमें अव धान क्रेन्द्र (Focus of attention) निम्नलिखित विशेषताओं के कारण जैसे – तीव्रता (Intensity) नवीनता (Novelty), पुनरावृत्ति (Repetition) प्रेरणाओं (Motivations), (needs) इच्छाएँ आवश्यकताओं इत्यादी के आधार पर चयन किया जाता है

5. प्रत्यक्षीकरण में ग्राहक एवं स्नायुतंत्र के अर्न्तगत रहती है

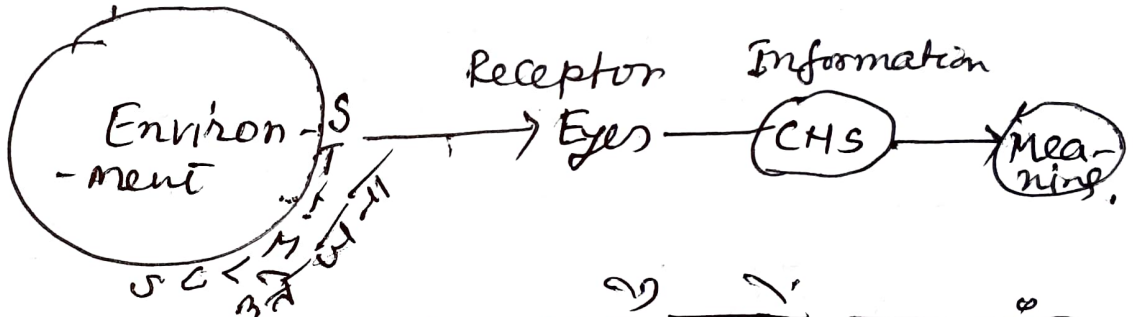

इसप्रकार यह कहा जा सकता है इसमें स्नायुतंत्र सम्बन्धित होता है।

6. प्रत्यक्षीकरण उत्तेजना का संगठन है यतत्व कि जिस के कारण ही उत्तेजना का स्वरूप एक इकाई के रूप में आता है,

7. प्रत्यक्षीकरण की प्रक्रिया में एक स्थिरता होती है यानि जो ज्ञान प्राप्त होता है वह क्षणिक नहीं होता है

8. प्रत्यक्षीकरण में स्थिरता के साथ-साथ लचील
-पन का गुण भी पाया जाता है, जैसे — एक
ही उत्तेजना का प्रत्यक्षीकरण भिन्न-भिन्न परिस्
-थितियों में भिन्न-भिन्न होता है।

इस प्रकार प्रत्यक्षीकरण एक जटिल ज्ञानात्मक
मानसिक प्रक्रिया है; जिसकी उपरोक्त विशेषताएँ
होती हैं।